

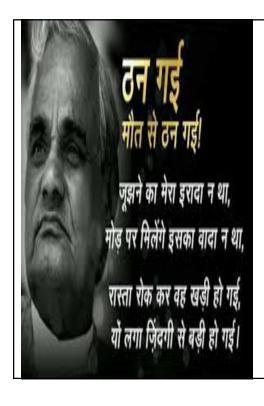
संस्कृत , हिन्दी, कामर्स, इक्नामिक्स और एस डी एच डी रि एण्ड टी सेण्टर द्वारा आयोजित आदरणीय भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रति श्रद्धांजलि समारोह

When Atal Ji was born the country was under British rule.

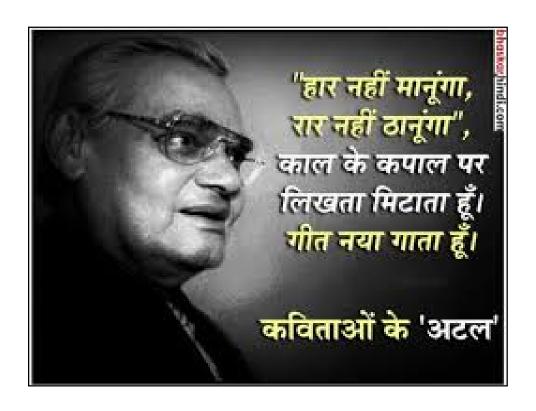
When he started his political career, his party was barely present.

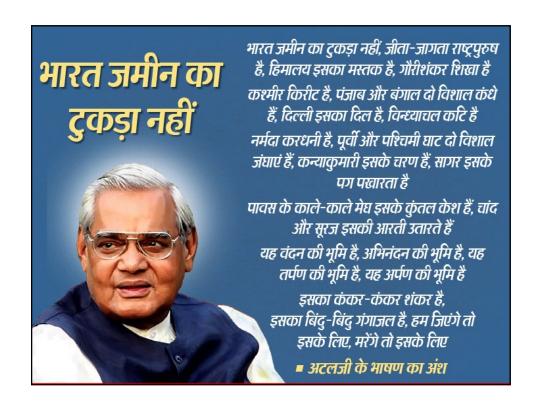
When he passed away - the party people he groomed or inspired are President, Vice President, Loksabha Speaker, Prime Minister, entire
cabinet, Chief Ministers of 22 states & Governors of 30 states.

Now this is called, life time work & ability to build an organization







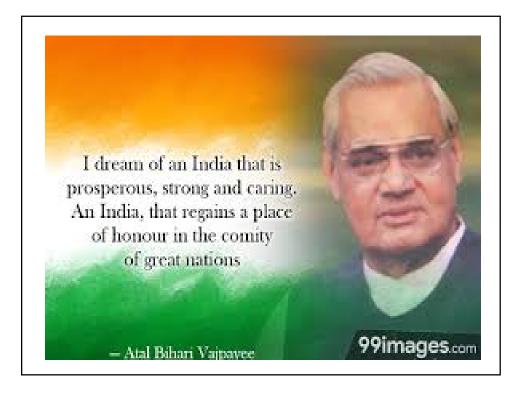












(Under the Vedavyaasa Restructuring Sanskrit Scheme)

SANSKRIT-SHASTRAS BASED CRITIQUE OF EMERGING TRENDS IN GLOBAL & INDIAN (POLITICAL, BUSINESS, RELIGIOUS) LEADERSHIP"

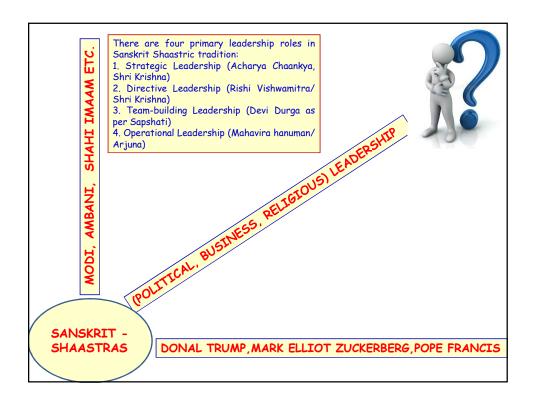
"संस्कृत-शास्त्राधारित वैश्विक एवम् भारतीय नेतृत्व (राजनैतिक, व्यापारिक, साम्प्रदायिक) की उभरती प्रवृत्तियों की मीमांसा"

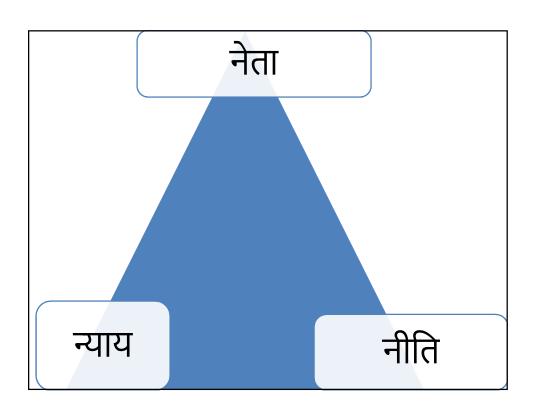
18th August, 2018, Saturday at 12.00 noon in Audio Visual room





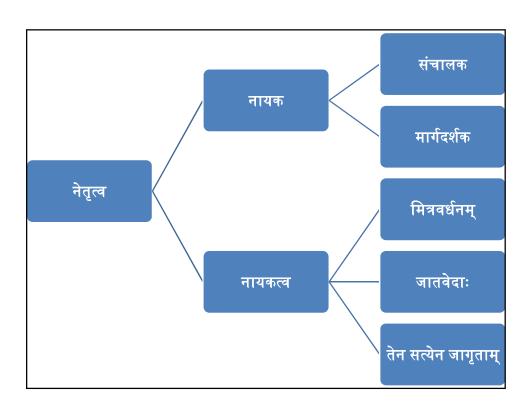
Organized by - Departments of Sanskrit, Commerce, Economics, Hindi, NCC & SDHDR&T Center of S D College (Lahore), Ambala Cantt





नेता विनीतो मधुरस्त्यागी दक्षः प्रियंवदः। रक्तलोकः शुचिवाग्मी रूढवंशः स्थिरो युवा॥

अर्थात् नायक विनीत, मधुर, त्यागी, कुशल, प्रियवचन बोलने वाला, रक्तलोकः- लोगों को अपने कार्यकलापों से प्रसन्न करने वाला, पवित्र, वाग्मी, प्रख्यात वंश में उत्पन्न, मन आदि से स्थिर, युवक, बुद्धिमान, उत्साही, स्मरण-शक्तिवाला, प्रज्ञावान, कलाओं से युक्त, मानी, शूर, दृढ़, तेजस्वी, शास्त्रों का ज्ञाता तथा धार्मिक हो।



नेता चर्षणीनाम् (ऋग्वेद ३/६/५)

जो मनुष्यों को नेता हो, जिसमें मनुष्यों को मार्ग दिखाने की और अपने पीछे लगाने की शक्ति हो । भद्रा तो हस्ता सुकृता (ऋग्वेद ४/२१/९)

जिसके हाथ कल्याणकारी, उत्तम कर्म करने वाले हों।

एव ह्यस्य सूनृता (ऋग्वेद१/८/८)

जो मधुर एवं सत्य वचन बोलता हो । वीरतमाय नृणाम् (ऋग्वेद ३/५२/१)

जो मनुष्यों में सबसे अधिक वीर हो।